www.sgbauonline.com

AU–2105

M.A. (Part—I) Examination

HINDI (Old)

Paper—IV

(Optional Paper)

(A) Vishesh Adhyayan (Premchand)

समय : 3 घण्टे] [पूर्णांक : 100

सूचना :— सभी प्रश्न निर्देशानुसार हल कीजिये।

1. निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए :—

(1) मैं उन लोगों को धूर्त और पाखंड़ी समझता हूँ जो अपनी सम्पत्ति को भोगते हुए साम्य की दुहाई देते फिरते हैं। मेरी समझ में नहीं आता कि साम्यदेव के पुजारी बनकर वह किस मुँह से विशाल प्रासादों में रहते हैं, मोटर बोटों में जल-क्रिड़ा करते हैं, और संसार के सुखों का दिल खोलकर उपभोग करते हैं। अपने कमरे से फर्श हटा देना और सादे वस्त्र पहन लेना ही साम्यवाद नहीं है। यह निर्लज्ज धूर्तता है, खुला हुआ पाखंड है। अपनी भोजनशाला के बचे-खुचे टुकड़ों को गरीबों के सामने फेंक देना साम्यवाद को मुँह चिढ़ाना, उसे बदनाम करना है।

अथवा

हानि, लाभ, जीवन, मरन, जस, अपजस विधि के हाथ है; हम तो खाली मैदान में खेलने के लिए बनाये गये हैं। सभी खिलाड़ी मन लगाकर खेलते हैं, सभी चाहते हैं कि हमारी जीत हो; लेकिन जीत एक ही की होती है, तो क्या इससे हारनेवाले हिम्मत हार जाते हैं ? वे फिर खेलते हैं; फिर हार जाते हैं, तो फिर खेलते हैं। कभी-न-कभी तो उनकी जीत होती ही है।

(2) तुम्हें धन काटता हो; लेकिन मनस्वी, वीर पुरुषों ने सदैव लक्ष्मी की उपासना की है। संसार को पुरुषार्थियों ने ही भोगा है और हमेशा भोगेंगे। त्याग गृहस्थों के लिए नहीं, संन्यासियों के लिए है। अगर तुम्हें त्यागव्रत लेना था तो विवाह करने की जरूरत न थी, सिर मुड़ाकर किसी साधु-सन्त के चेलें बन जाते। फिर मैं तुमसे झगड़ने न आती। अब ओखली में सिर डालकर तुम मूसलों से नहीं बच सकते।

अथवा

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

मैं धर्म की असलियत को न समझकर धर्म के स्वाँग को धर्म समझे हुए था। यही मेरी जिन्दगी की सबसे बड़ी भूल थी। मुझे तो ऐसा मालूम होता है कि दुनिया का कैंडा ही बिगड़ा हुआ है। जब तक हमें जायदाद पैदा करने की धुन रहेगी, हम धर्म से कोसों दूर रहेंगे। ईश्वर ने संसार को क्यों इस ढंग पर लगाया, यह मेरी समझ में नहीं आता। दुनिया को जायदाद के मोह-बन्धन से छुड़ाना पड़ेगा, तभी आदमी आदमी होगा; तभी दुनिया से पाप का नाश होगा।

(3) हमारा दान और धर्म कोरा अहंकार है, विशुद्ध अहंकार। हममें से किसी पर डिग्री हो जाए, कुर्की आजाए, बकाया मालगुजारी की इल्लत में हवालात हो जाए, किसी का जवान बेटा मर जाए, किसी की विधवा बहू निकल जाए, किसी के घर में आग लग जाए, कोई वेश्या के हाथों उल्लू बन जाए, या अपने असामियों के हाथों पिट जाए, तो उसके और सभी भाई उस पर हँसेंगे, बगलें बजाएँगे, मानों सारे संसार की सम्पदा मिल गयी है। और मिलेंगे तो इतने प्रेम से, जैसे हमारे पसीने की जगह खून बहाने को तैयार है।

अथवा

स्त्री पुरुष से उतनी श्रेष्ठ है, जितना प्रकाश अँधेरे से। मनुष्य के लिए क्षमा और त्याग और अहिंसा जीवन के उच्चतम आदर्श हैं। नारी इस आदर्श को प्राप्त कर चुकी है। पुरुष धर्म और अध्यात्म और ऋषियों का आश्रय लेकर उस लक्ष्य पर पहुँचने के लिए सदियों से जोर मार रहा है; पर सफल नहीं हो सका। मैं कहता हूँ, उसका सारा अध्यात्म और योग एक तरफ और नारियों का त्याग एक तरफ। 30

2. निम्नलिखित दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर लिखिए :

(1) "रंगभूमि' में औद्योगिकरण के विरूद्ध के संघर्ष की विवेचना कीजिए।'

(2) 'निर्मला' उपन्यास नारी व्यथा का दस्तावेज़ है। इस कथन की सार्थकता प्रमाणित कीजिए।

(3) 'गोदान' में पीढ़ियों का संघर्ष अंकित हुआ है। समझाइये।

(4) 'कर्मभूमि' उपन्यास में राजनीति के अंतर्गत स्त्री पात्रों की भूमिका अत्यंत सशक्त रही है। युक्तियुक्त उत्तर दीजिए। 30

3. निम्नलिखित लघूत्तरी प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** के उत्तर लगभग **10—15** पंक्तियों में लिखिए :

(1) "दो बैलों की कथा' में संवेदनाओं का मर्मस्पर्शी वर्णन हुआ है।' सिद्ध कीजिए।

(2) "पूस की रात' में कृषक जीवन के शोषण की मार्मिक अभिव्यंजना हुई है।' स्पष्ट कीजिए।

(3) जीवन में साहित्य का महत्व स्पष्ट कीजिए।

(4) 'बड़े घर की बेटी' वर्तमान बिखरते परिवारों को जोड़ने का एक अन्यतम उदाहरण है।' स्पष्ट कीजिए।

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(5) "ईदगाह' में बालमनोविज्ञान की सुंदर अभिव्यक्ति हुई है।' समझाइए।

(6) "उपन्यास मानव चरित्र का चित्र है।'' ऐसा प्रेमचंद ने क्यों कहा है ?

(7) 'नशा' कहानी का कथ्य स्पष्ट कीजिए।

(8) प्रेमचंद के राष्ट्रभाषा संबंधी विचारों को प्रतिपादित कीजिए।

(9) 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी की शिल्पगत विशेषताएँ लिखिए।

(10) 'कहानी कला' संबंधी प्रेमचंद के विचार स्पष्ट कीजिए। 20

4. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशानुसार लिखिए :—

(1) अमरकांत के अनुसार चरखा किसके लिए चलाया जाता है ?

(क) सूत कातने के लिए (ख) पैसे मिलने के लिए

(ग) गांधीवादी कहलाने के लिए (घ) आत्मशुद्धि के लिए

(2) सहना ____ कहानी का पात्र है।

(3) प्रेमचंद के अनुसार साहित्य की सर्वोत्तम परिभाषा _____ है।

(क) जीवन की आलोचना (ख) जीवन की व्याख्या

(ग) जीवन और प्रकृति (घ) आलोचनामय जीवन

(4) कांजीहौस में कितने गधे बंद थे ?

(5) पं. तोताराम की विधवा बहन का नाम _____ था।

(6) शंकर विप्र महाराज के यहाँ कितने वर्षों तक गुलामी करता है ?

(7) पाठ्यक्रम में बालनायक पर आधारित कौनसी कहानी है ?

(8) मेहता ने जो बृहत् ग्रंथ लिखा, उसे लिखने हेतु उन्हें _____ साल लगे।

(क) तीन (ख) चार

(ग) पाँच (घ) छः

(9) "रानी रूठेंगी. अपना सुहाग लेंगी।'' किस कहानी का वाक्य है ?

(10) प्रेमचन्द ने हिन्दी, उर्दू, हिन्दुस्तानी नामक _____ लिखा।

(क) कहानी (ख) उपन्यास

(ग) निबन्ध (घ) एकांकी

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(11) अलगू चौधरी समझू साहू को अपना _____ बेचते हैं।

(क) कुत्ता (ख) बैल

(ग) घोड़ा (घ) बकरा

(12) आनंदी के ससुर का नाम लिखिये।

(13) पं. घासीराम _____ कहानी के पात्र हैं।

(14) 'ठाकुर का कुआँ' कहानी में कुल कितने स्त्री पात्रों का उल्लेख है ?

(15) "अगर तुम अपने नौकरों को भी आठ आने रोज इनाम दिया करो तो शायद इससे ज़्यादा तमीज़दार हो जाएँ।" (कथन किस कहानी का है।)

(16) पाँडेपुर गाँव का उल्लेख किस उपन्यास में हुआ है ?

(17) अलाव में से गरम-गरम आलू खाने का उल्लेख किस कहानी में हुआ है ?

(18) होरी की गाय को जहर किसने दिया था ?

(19) 'कर्मभूमि' में चित्रित दो आंदोलनों के नाम लिखिए।

(20) पांडेपुर के समारोह में सूरदास की मूर्ति को कौन प्रतिष्ठित करता है ? 20

www.sgbauonline.com